जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 27 संख्याः 149 प्रभात अजमेर, बुधवार 28 दिसम्बर, 2022 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

ओरेगॉन की विलियमैट वैली में तितली की एक प्रजाति, ''फैन्डर्स ब्लू बटरफ्लाई'' का अध्ययन हुआ है। लम्बे समय पहले इस तितली को लुप्त मान लिया गया था। इसके संरक्षण की मुहिम इतनी सफल रही कि फैन्डर्स ब्लू बटरफ्लाई को अब एन्डेन्जर्ड स्पीशीज़ की लिस्ट से निकालकर थ्रैटन्ड वर्ग में रखने की तैयारी है। यह दूसरी बार है जब किसी कीट ने ऐसी रिकवरी की है। नॉर्थ वैस्ट ओरेगॉन के ऊँची भूमि (अपलैण्ड) के घास के मैदान और झाड़ीदार वनों वाले इकोसिस्टम में पाई जाने वाली यह तितली अन्य प्रजातियों की मदद पर निर्भर करती है, जिसमें इंसान के अलावा चींटियां और लूपिन पौधे की एक खास प्रजाति, किनकेड लूपिन भी शामिल है। संकटग्रस्त फैन्डर्स ब्लू बटरफ्लाई की नियति इस अकेले जंगली फूल से बंधी है। फैन्डर्स ब्लू की 1980 के दशक में दोबारा खोज हुई थी, उसके 50 साल पहले इसे लुप्त घोषित कर दिया गया था। वैज्ञानिकों को महसूस हुआ कि इसके निरंतर सरवाइवल के लिए बहुत कुछ करना होगा। इसी के तहत अब, इस अपलैंड प्रेयरी इकोसिस्टम को उसके मूल स्वरुप में लाने के लिए काम किया जा रहा है और पूरी वैली में किनकेड लूपिन पौधे उगाए जा रहे हैं। ये सदाबहार पुष्पी पादप भी बेहद दुर्लभ हैं। कभी इस घाटी में ये पौधे बड़ी तादाद में फलते-फूलते थे, क्योंकि स्थानीय कालापूया लोग अपनी संस्कृति के अनुरुप घास के मैदानों को जलाकर इन पौधों के विकास में योगदान देते थे। हालांकि, फूलों और तितलियों की संख्या बढ़ाने के लिए चरागाह जलाने की बात कुछ अजीब लग सकती है। लेकिन चरागाह नहीं जलाने से घास व झाड़ियां इतनी घनी हो जाती हैं कि लूपिन उगना कठिन हो जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार इन तितलियों का स्थानीय चींटियों से भी मजबूत रिश्ता होता है। तितली के लार्वा थोड़ी मात्रा में पराग पैदा करते हैं, जिसे चींटिया खाती हैं, बदले में चींटिया इन लार्वा की सुरक्षा करती हैं। संरक्षण कार्यक्रम के तहत अब यहाँ पर मूल निवासियों को भी लाकर बसाया जा रहा है, ताकि वे चारागाह जलाना पुनः शुरु करें, जिससे तितलियों को किनकेड लूपिन पौधा उपलब्ध हो और उनकी आबादी बढ़ सके। फैन्डर्स ब्लू बटरफ्लाई के बारे में सबसे पहले 1929 में पता लगा था, फिर कई दशकों के लिए यह लुप्त हो गई और जब दोबारा इनकी खोज हुई तब इनकी आबादी मात्र 3400 आंकी गई। क्योंकि इनके मुख्य आवास, विलियमैट वैली के अधिकांश भाग, खासकर लो लैण्ड प्रेयरी, में खेती होने लगी थी और ढलान पर मवेशी चरते थे। तथापि, संरक्षण कार्यक्रमों के बाद अब इन तितलियों की आबादी चार गुना हो गई है।

अधिकतर राज्यों में कांग्रेस के गठबंधन के साथी यात्रा से जुड़ रहे हैं

पूर, उत्तर प्रदेश में ऐसा नहीं होगा, सभी गठबंधन के साथी कांग्रेस, राहुल व यात्रा से दूरी जता रहे हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। राजनैतिक रूप से देश के सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण राज्य, जो लोकसभा में 80 सांसद भेजता है, को राहुल गांधी ने केवल प्रतीकात्मक महत्व ही दिया है। उनकी भारत जोड़ो यात्रा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में केवल दो रात गुजारेगी। और अब तक मिले स्पष्ट संकेत यह बताते हैं कि यात्रा में शामिल होने तथा उनके साथ चलने के लिये राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के जिन बड़े विपक्षी नेताओं को आमंत्रित किया है, वे संभवतः यात्रा में शामिल ही नहीं होंगे।

बसपा नेता मायावती ने यात्रा की सफलता के लिये अपनी शुभकामनाएं भेजी हैं लेकिन वे यात्रा में शामिल नहीं होंगी। आर.एल.डी. के जयंत चौधरी ने पत्रकारो से कहा है कि वे यात्रा में शामिल नहीं होंगे।

तथा समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी ऐसे संकेत दिये हैं कि वे यात्रा में शामिल नहीं होंगे। इसके बजाय, उन्होंने एक प्रतिप्रश्न दागा है: 2024 में भाजपा को हराने की स्थिति में है कौन?

- मायावती ने यात्रा के लिये शुभकामनाएं भेजीं, पर, यात्रा से नहीं जुड़ेंगी।
- जयंत चौधरी ने साफ कहा, वे यात्रा में शामिल नहीं होंगे।
- अखिलेश यादव ने भी संकेत दिये कि, वे यात्रा में भाग नहीं लेंगे, साथ ही उन्होंने सवाल उठाया, ''यह जानने की जरूरत है कि, कौन 2024 में भाजपा को हराने की स्थिति में है।''
- भारत जोड़ो यात्रा दिल्ली में 3 जनवरी को कश्मीरी गेट तथा वैस्टर्न यू.पी. में दो रात बागपत व श्यामली से गुजारेगी।
- पांच जनवरी को यात्रा हरियाणा में प्रवेश करेगी, तथा ग्यारह जनवरी तक हरियाणा में रहेगी।

उत्तर प्रदेश के पिछले विधानसभा चुनावों में, कांग्रेस को मात्र 2.4 प्रतिशत वोट मिले थे, जबकि अखिलेश ने तो भी भाजपा का सामना गंभीरता से किया था, भले ही उनकी पार्टी चुनाव हार गई थी। जयन्त चौधरी, अखिलेश यादव के गठबंधन पार्टनर है। राहुल और उनकी कांग्रेस भी पूर्ववर्ती चुनाव में इस गठबंधन के पार्टनर रहे थे, लेकिन उसके बाद से ही, राहुल और अखिलेश के बीच में अनबन चल रही है।

प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश में ए.आई.सी.सी. की प्रभारी के रूप में उत्तर प्रदेश की यात्रा में राहुल गांधी का साथ देंगी।

भारत जोड़ो यात्रा 3 जनवरी को प्रातः 10 बजे दिल्ली के कश्मीरी गेट से रवाना होगी तथा दोपहर 12 बजे उत्तर प्रदेश सीमा पर स्थिति ''लोनी'' नामक स्थान पर पहुँचेगी। यात्रा अपनी पहली रात बागपत में तथा दूसरी रात शामली में गुजारेगी। ये दोनों ही कस्बे पश्चिमी उत्तर प्रदेश की जाट-बैल्ट में स्थित है, जो चौधरी चरण सिंह एवं अजित सिंह का गढ़ रही है तथा अब अजित सिंह के पुत्र जयन्त चौधरी का गढ़ है।

5 जनवरी की रात को यात्रा हरियाणा बॉर्डर पर पहुँच जायेगी तथा 11 जनवरी की रात तक हरियाणा में रहेगी।

विभिन्न राज्यों में कांग्रेस के बहुत सारे मित्र दल एकता एवं समर्थन सहयोग का संदेश देने के लिए यात्रा में शामिल होते रहे हैं लेकिन उत्तर प्रदेश उन सब से हट कर है, क्योंकि यहाँ कांग्रेस के पूर्व मित्र दल की कांग्रेस और राहुल गांधी के साथ आने के लिये तैयार नहीं है।

अमेरिका ने पिछले सौ साल में ऐसा ''स्नो स्टॉर्म'' नहीं देखा

1500 फ्लाइट्स रद्द की गई हैं, इस बर्फीले तूफान के कारण और साठ व्यक्तियों की इस ''स्नो स्टॉर्म'' के कारण मृत्यु हो चुकी है

-सुकुमार-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर । यह क्रिसमस का ऐसा सप्ताहांत था जिसे अमेरिका के लोग भूलना चाहेंगे। सदी के इस बर्फानी तूफान में 60 से अधिक लोग मर चुके हैं और हाड़ कंपाने वाली इस सर्दी में 1.7 मिलियन लोग बिजली से वंचित हैं। यात्राएं नहीं हो रही हैं क्योंकि 15 हजार फ्लाइट्स रद्द हो चुकी हैं। सबसे बुरी तरह प्रभावित पश्चिमी न्यूयॉर्क एक तरह से बर्फ में दब गया है।

सर्दी के इस तुफान में अब तक न्यूयॉर्क में ही 27 लोग मारे जा चुके हैं और पूरे अमेरिका में इससे कम से कम 60 लोगों की मौत हुई है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि बफलो के आसपास के क्षेत्र, जहां बर्फ गिरी है, मे से लोगों को निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं क्योंकि बचाव कार्य जारी है।

- न्यूयॉर्क राज्य का बफलो शहर, इस तूफान का ''एपी सैन्टर'' हैं, तथा बफलो के एयरपोर्ट पर, सोमवार तक 1.25 मीटर बर्फ की चादर थी और शहर में सड़कें, कार, बसें, एम्बुलैंस, यहाँ तक कि, ''स्नो प्लाओ'' (बर्फ हटाने वाले विशेष वाहन) बर्फ से दबे पड़े हैं।
- रैस्क्यू टीमें, सड़क पर खड़े हजारों वाहनों के दरवाजे खोलकर देख रही हैं कि, कहीं कुछ और यात्री कारों में मृत दबे तो नहीं हैं।
- रोज़मर्रा की आवश्यकता का सामान बेचने वाली कुछ दुकानें कई दिनों बाद सोमवार को खुलीं तथा, लोग-बाग एक-एक मील तक बर्फ में पैदल चलकर सामान खरीदने आये।
- मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को इस क्षेत्र में नौ इंच और बर्फ गिरने की पूर्ण संभावना है।

सड़क मार्ग कारों, बसों, एम्बूलैंसों और टी करने वाले ट्रकों से अटे हुए है। यहां तक बर्फ हटाने की गाड़ियां भी बर्फ में दब गई हैं जिसके कारण बर्फ को हटाकर फंसे हुए निवासियों तक मैडिकल केयर पहुंचाना जटिल हो रहा हैं।

न्यूयॉर्क में, खासतौर पर बफलो में प्रशासन ने बताया कि इमरजैंसी ऑफीशियल्स ने जैसे-जैसे एक-एक कार तक पहुंचना शुरू किया तो उन्हें वाहनों में और बर्फ में दबे लोगों के शव मिले।

कई दिनों से बन्द कुछ किराना स्टोर सोमवार को खुले और लोगों को इन दुकानों में आने के लिए एक मील से अधिक की दुर्गम यात्रा करनी पड़ी।

कड़ाके की ठण्ड के आदी इस क्षेत्र में तूफान की तीव्रता मौसमी कारकों के संयोजन से भी ऊपर रही।

नेशनल वैदर सर्विस ने कहा कि पश्चिमी न्यूयॉर्क के कुछ क्षेत्रों में मंगलवार को पूरे दिन 9 इंच से अधिक यानी कि करीब 23 सेन्टीमीटर्स बर्फ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नेज़ल करोना वैक्सीन की कीमत 325 रु.

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। करोना की पहली नेजल वैक्सीन को मंजूरी देने के चार दिन बाद केंद्र सरकार ने इसकी कीमत तय कर दी है। भारत बायोटेक की यह वैक्सीन सरकारी अस्पतालों में 325 रुपए में लगवाई जा सकेगी। वहीं प्राइवेट अस्पतालों में इसके लिए 800 रुपए चुकाने होंगे।

यह वैक्सीन जनवरी के आखिरी हफ्ते से उपलब्ध हो जाएगी।

केंद्र ने दुनिया की पहली नेजल करोना वैक्सीन को 23 दिसंबर को मंजूरी दी थी। कोवैक्सिन बनाने वाली हैदराबाद की भारत बायोटेक ने इसे वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के साथ मिलकर बनाया है। नाक से ली जाने वाली इस वैक्सीन को बूस्टर डोज के तौर पर लिया जा सकेगा। सरकार ने यह भी कहा है कि जिसने तीन डोज ले लिए हैं, उन्हें अतिरिक्त डोज की जरूरत नहीं है। सिर्फ 3 ही डोज पर्याप्त हैं।

- लेकिन प्राइवेट अस्पतालों में नेज़ल वैक्सीन के लिए 800 रुपए चुकाने होंगे।

भाजपा का सिखों को लुभाने का प्रयास सफल नहीं हो रहा?

शिरोमणी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने केन्द्रीय सरकार को पत्र लिखकर, प्र.मंत्री के 26 दिसम्बर के संबोधन पर नाराज़गी जताई है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर । क्या भाजपा और आर.एस.एस. सिख इतिहास को हिन्दुत्व का पुट देकर सिखों को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं?

सिखों की शीर्ष संस्था अकाल तख्त के साथ ही शिरोमणि गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी (एस.जी.पी.सी.) तो कम से कम ऐसा ही सोचते प्रतीत होते हैं। इन दोनों ही संस्थाओं 26 दिसम्बर को ''वीर बाल दिवस'' कार्यक्रम पर दिए गए प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन पर नाराजगी जतायी है। यह कार्यक्रम गुरू गोविन्द सिंह के सात और नौ वर्षीय को पुत्रों क्रमशः साहिबजादा फतेह सिंह और साहिबजादा ज़ोरावर सिंह के बलिदान के स्मरण में आयोजित किया गया था। केन्द्र सरकार को लिखे एक पत्र में एस.जी.पी.सी. ने अनुरोध किया है कि ''साहिबजादा शहादत दिवस'' पारिभाषिक शब्दावली है, जिसका प्रयोग किया जाए। ''वीर बाल दिवस'' शब्दावली सिख इतिहास को विकृत करने के समान है और इतिहास के महानतम बलिदान की पवित्रता को नष्ट

- शिरोमणी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एस.जी.पी.सी.) व अकाल तख्त की आपत्ति है कि, गुरु गोविन्द सिंह के पुत्रों की मृत्यु को सिख समुदाय ''साहिबज़ादा शहादत दिवस'' कहता है, पर, प्र.मंत्री ने अपने संबोधन में इसे ''वीर बाल दिवस'' बताया है।
- साहिबज़ादा फतेह सिंह व साहिबज़ादा जोरावर सिंह की शहादत सिखों के लिये ऐतिहासिक महत्व रखती है, अतः इस घटना को दो बच्चों का बलिदान कहना गैर वाज़िब है।
- अकाल तख्त व एस.जी.पी.सी. को शिकायत है कि, भाजपा, सिखों के इतिहास का भगवाकरण कर रही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मैसुरु में प्र.मंत्री मोदी के भाई की कार का एक्सिडैंट

मैसुरु, 27 दिसम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के छोटे भाई प्रहलाद मोदी की कार का मंगलवार को मैसूर के पास एक्सीडेंट हो गया। यह हादसा कर्नाटक के मैसूर के पास हुआ। प्रहलाद मोदी अपनी पत्नी, बेटे, बहू और पोते के साथ मर्सिडीज बेंज कार में बांदीपुरा जा रहे थे तभी दोपहर करीब 2 बजे डिवाइडर से टकरा गई। बताया जा रहा है कि हादसे में उनके बेटे और बहू को गंभीर चोटें आई हैं और उनकी हालत गंभीर है। प्रह्लाद मोदी के पोते के पैर में फ्रैक्चर हुआ है। पुलिस ने जानकारी दी है कि उपचार के लिए सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

- प्रहलाद मोदी अपने परिवार के चार अन्य लोगों के साथ जा रहे थे, उनके पोते का पैर फ्रैक्चर हुआ।

घटनास्थल से जो तस्वीरें सामने आई हैं उसमें कार के अगले हिस्से को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट, नहीं तो प्यारे एक दिन प्राण जायेंगे छूट'

सरकारी पैसे की लूट के लिये यह दोहा लागू नहीं होता, यहां तो जितना सब्र रखते हुए फाइल के पीछे लगे रहे कुछ दान दक्षिणा बांटते रहे तो, जरूर वारे न्यारे होंगे। उदाहरण के लिये तीन करोड़ रूपये की क्षर्तिपूर्ति की राशि दो साल में 103 करोड़ रू. हो गई

जयपुर, 27 दिसम्बर (का.सं.)। आशापुरा ट्रेड एंड ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा राजस्थान पथ परिवहन निगम के खिलाफ जयपुर के कॉमर्शियल कोर्ट में चल रहा मामला कुछ दिन पूर्व ही सुर्खियों में आया था क्योंकि उक्त मामले में इंटरेस्ट समेत 103 करोड़ रुपये का दावा प्रस्तुत किया गया था और यह दावा राशि नहीं देने की वजह से कॉमर्शियल कोर्ट ने बड़े ही विवादास्पद तरीके से राजस्थान पथ परिवहन निगम के ऑफिस और बिल्डिंग, परिवहन विभाग का लालकोठी स्थित ऑफिस और बिल्डिंग के साथ-साथ सिंधी कैम्प पर चल रहे केंद्रीय बस स्टैंड के कार्यालय और जमीन को अटैच किया था।

- आशापुरा, ट्रेड एंड ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड ने राजस्थान पथ परिवहन निगम (रोड़वेज) से अक्टूबर 2014 में पार्सल सेवा चलाने का अनुबंध किया था।
- पर, मई 2016 में आशापुरा ट्रेड एंड ट्रांसपोर्ट कंपनी ने रोड़वेज को पत्र लिखकर कहा कि, इस अनुबंध से उसे तीन करोड़ रूपये का आर्थिक नुकसान हुआ है, जिसकी रोड़वेज भरपाई करे।
- यह मामला सुलझाने के लिये पूर्व निश्चित आर्बिट्रेटर के पास पहुंचा। रहस्यमय बात है, मार्च 2018 में आर्बिट्रेटर ने आशापुरा ट्रेड एंड ट्रांसपोर्ट के पक्ष में अवॉर्ड दिया कि, रोड़वेज क्षतिपूर्ति के रूप में आशापुरा ट्रांसपोर्ट को चौरासी करोड़ रूपये का भुगतान करे, और ब्याज समेत आशापुरा ट्रांसपोर्ट, 103 करोड़ रूपये पाने का हकदार हो गया।

उल्लेखनीय है कि आशापुरा ट्रेड एंड ट्रांसपोर्ट कम्पनी ने केवल रोडवेज के खिलाफ दावा प्रस्तुत किया था, जो एक कॉर्पोरेशन है, और राज्य सरकार का विभाग नहीं है, परंतु कॉमर्शियल कोर्ट ने रोडवेज के साथ-साथ राज्य सरकार के परिवहन विभाग की संपत्ति को भी अटैच कर लिया। यहां पाठकों को यह भी बता दें कि सिंधी कैम्प राज्य सरकार से लीज पर ली गई संपत्ति है, यानी इस संपत्ति पर भी राज्य सरकार का ही मालिकाना हक है रोडवेज का नहीं। आशापुरा कम्पनी के रोडवेज के खिलाफ मामले में रोडवेज निगम के ही प्रबंध निदेशक ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में होने वाली बैठक के मद्देनजर संयुक्त शासन सचिव परिवहन विभाग को उक्त मामले की तथ्यात्मक सूचना 7 नवम्बर 2022 को भिजवाई थी।

सूत्रों से प्राप्त इस तथ्यात्मक सूचना रिपोर्ट में कई चौकाने वाले तथ्य सामने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वसंत विहार मार्केट पहुँचे राहुल गांधी

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। कांग्रेस नेता और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही भारत जोड़ो यात्रा ने दिल्ली आने के बाद ब्रेक ले लिया है। अब फिर से यह यात्रा कुछ दिनों के बाद शुरू होगी। यात्रा का अगला पड़ाव 3 जनवरी 2023 को लोनी बॉर्डर से शुरू होगा। इसके बाद भारत जोड़ो यात्रा उत्तर प्रदेश में प्रवेश करेगी।

- जैसे ही लोगों को इसका पता चला उनके चारों तरफ हजारों लोगों की भीड़ जमा हो गई।

यात्रा पर ब्रेक लगने की वजह से इन दिनों राहुल गांधी दिल्ली में ही हैं। इस दौरान आज वो दिल्ली के बाजार में दिखें। दरअसल, राहुल गांधी आज मंगलवार को अचानक दिल्ली के वसंत विहार मार्केट पहुंच गए। राहुल गांधी को बाजार में अपने बीच पाकर लोग चौंक गए। जैसे-जैसे लोगों को पता लगा तो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)